दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ & Fax : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक :25.02.2025

प्रकाशनार्थ

दिनांक 25.02.2025 गोरखपुर। महाविद्यालय में 24 व 25 फरवरी तक चलने वाले वार्षिक क्रीड़ा समारोह 2024–25 के समापन के अवसर पर बालक एव बालिका वर्ग 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर, 1500 मीटर 5000 मीटर का दौड़ एवं 4×400 मीटर रिले रेस बालिका वर्ग, वं 4×100 मीटर रिले रेस बालक एवं बालिका वर्ग, शाट–पट (गोला फेक) बालक एवं बालिका वर्ग, लम्बी कूद, हैमर थ्रो, ऊँची कूद, जेवलिन थ्रो तथा डिस्कस थ्रो बालक एवं बालिका वर्ग के खेलों का आयोजन किया गया।

उक्त **खेल प्रतियोगिता में (बालक वर्ग)** से शिव कुमार निषाद एवं **(बालिका वर्ग)** से नन्दनी मोदनवाल व श्वेता शर्मा संयुक्त रूप से अव्वल रहें। अन्य खेल गतिविधियों में **10,000 मीटर दौड़ (बालिका वर्ग)** में नन्दनी मोदनवाल प्रथम, खुशी आदित्य द्वितीय एवं प्रियंका चौधरी तृतीय स्थान पर रहीं। जबकि **10,000 मीटर दौड़ (बालक वर्ग)** में शिव कुमार निषाद प्रथम, आकाश साहनी द्वितीय एवं विशाल यादव तृतीय स्थान पर रहे। **जेवलिन थ्रो (बालिका वर्ग)** में विजय लक्ष्मी मौर्य प्रथम, अंकिता पाल द्वितीय एवं प्रियंका चौधरी तृतीय स्थान पर रही जबकि **जेवलिन थ्रो (बालक वर्ग) में** हर्षित पाण्डेय प्रथम, अभिनव त्रिपाठी द्वितीय तथा राममदन निषाद रहे।

वार्षिक क्रीड़ा समापन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अर्जुन एवं द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता श्री संजीव सिंह ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल चरित्र का निर्माण करता है। शारीरिक एवं बौद्धिक स्वास्थ्यवर्धन के लिए हमें विद्यार्थियों को खेल हेतु प्रोत्साहित करना चाहिए। आज का दौर डिजीटल युग है जिससे हम समाज से दूर होते जा रहें है। श्री सिंह ने आगे कहा कि आप शिक्षा के क्षेत्र में जो भी अध्ययन कर रहें है, समाज को कुछ वापस देना आपकी जिम्मेदारी है। यदि हम वैज्ञानिक रूप से खेलों के तकनीकी पर ध्यान दें तो हमारे विद्यार्थियों का भविष्य उज्ज्वल होगा। **विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी श्री अरविन्द सिंह ने** भी विद्यार्थियों को खेलों के लिए प्रोत्साहन करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने मुख्य अतिथि के साथ विजयी प्रतिभागियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया तथा प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यदि हम सफलता से दूर है तो इसका स्पष्ट अर्थ है कि हमारे प्रयास में कुछ कमी है। प्राचीन गुरूकुल शिक्षा पद्धति में भी अवधान होता था जिसमें विभिन्न कलाओं में पारंगत 08 आचार्यों द्वारा विद्यार्थियों के समूह को शिक्षित करने का कार्य किया जाता था। आज के इस तकनीकी युग में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए इस पद्धति को अपनाने की जरूरत है। जब तक विद्यार्थी का शरीर स्वस्थ नही रहेगा तब तक वह बौद्धिक क्षेत्र में भी बेहतर नही कर सकता। वास्तव में खेल हमारी पढ़ाई में साधक है, बाधक नहीं। कोई देश केवल भूमि से महान नहीं बनता बल्कि उस देश के युवाओं के सकारात्मक भूमिका से महान बनता है।

उक्त कार्यक्रम में **प्रस्ताविकी एवं स्वागत भाषण क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष प्रो. परीक्षित सिंह ने किया। कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा सचिव श्री अवधेश शुक्ल ने किया तथा आभार ज्ञापन डॉ. जितेन्द्र पाण्डेय ने किया।**

इस अवसर पर मुख्य नियंता डॉ. आर.पी.यादव, प्रो. नित्यानन्द श्रीवास्तव, प्रो. शशि प्रभा सिंह, प्रो. अरूण तिवारी, प्रो. अर्चना सिंह, डॉ. शैलेश कुमार सिंह, डॉ. प्रतिमा सिंह, डॉ. विवेक शाही, डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी, डॉ. पवन पाण्डेय, डॉ. नीतिश शुक्ला, श्री शुभम पाण्डेय सहित शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं छात्र/छात्राएँ उपस्थित रहें।

डॉ. (सुनील कुमार सिंह)
सह–प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क